

क्र. नं.

५१
२०१५

महावीर काव्य हनुमान
दावा

पत्राध्य

आदिवक्ता वादी किनुपादिभक्त
आदिवक्ता वादी वो कर-का
डावान लगावार्थ गार्थ लेखिन
आदिवक्ता वादी आदिभक्त नही
डापे। इत्यलिय वादी मा वाद
अदम हागरी एका अदम
पुत्री नै एवाजि निधा गवा
है एवादी निधोस एका
होम दम नमो ह वै कर्म

उपलब्ध विद्या
जेरुजरी, मिला-मोडुली